

मन मोहन दी बन के दीवानी मैं छम छम नचदी फिरा



मन मोहन दी बन के दीवानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा,
ओहदे प्रेम विच हुई मस्तानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

हो गयी मैं प्रीतम दी कमली,
लोकी मैंनू आखन पगली,
जदो वेखी मैं सूरत नूरानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

जग विच मैंनू कोई ना जचदा,
हर वेले करां श्याम दा सजदा,
सारी दुनिया तो हुई बेगानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

छड दीती सब रिश्तेदारी,
'चित्र विचित्र' दे बांके बिहारी,
ओहदे नाल मेरी प्रीत पुरानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

मन मोहन दी बन के दीवानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा,
ओहदे प्रेम विच हुई मस्तानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>